RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

12th GEOGRAPHY

ARJUN BATCH

मानव भूगोल

मानव विकास

अध्याय-3 | भाग-1



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 मानव विकास की अवधारणा

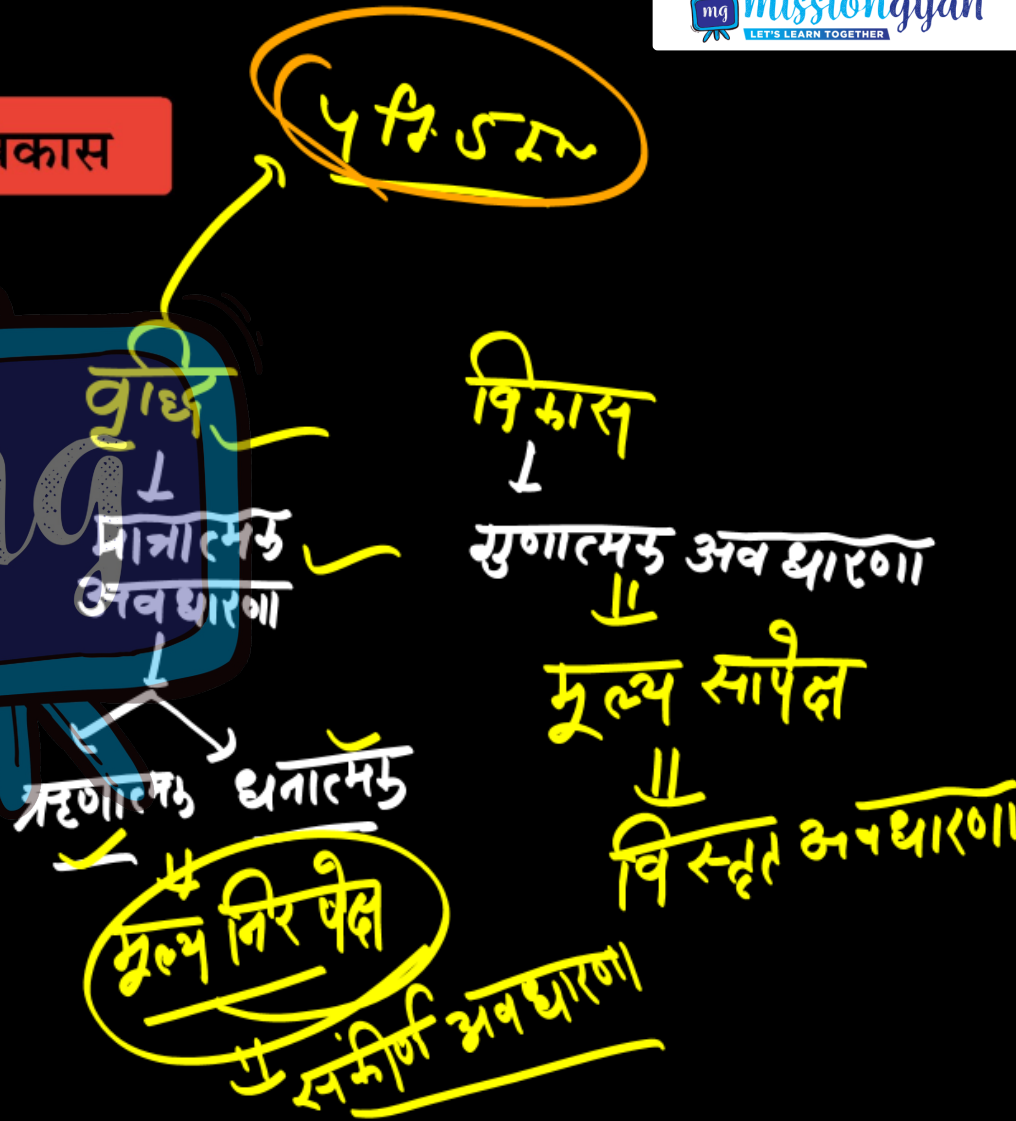
2 मानव विकास के उपागम



मानव विकास

वृद्धि और विकास

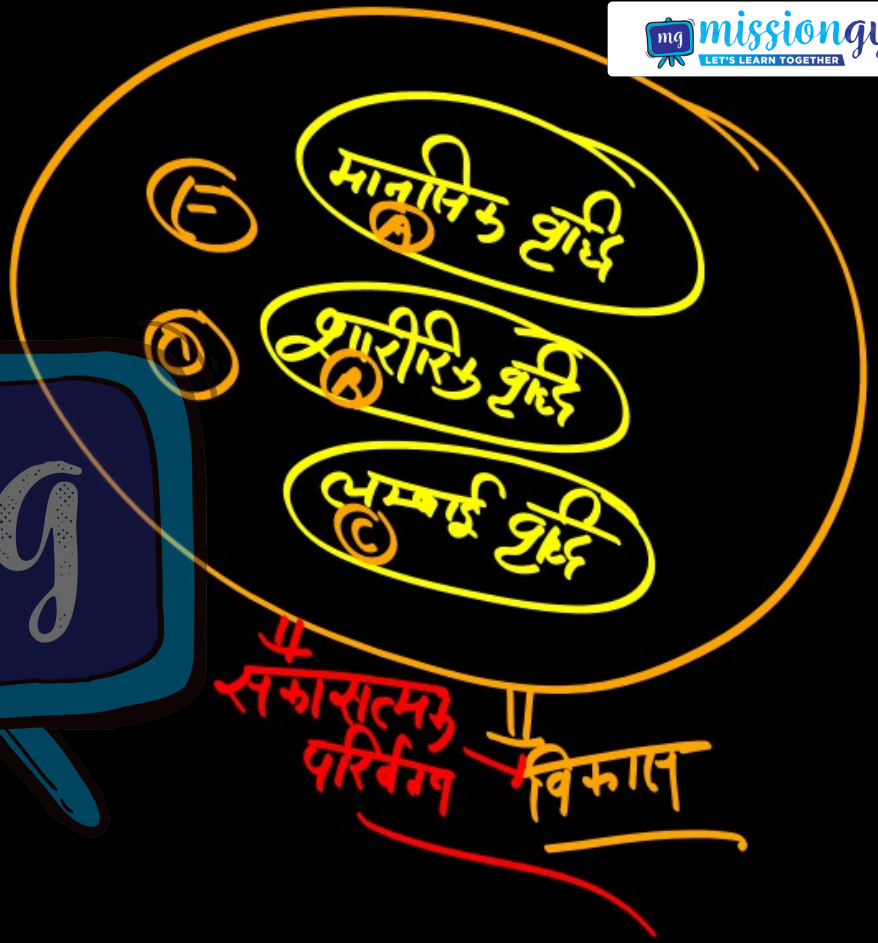
- वृद्धि और विकास दोनों समय के संदर्भ में परिवर्तन को इंगित करते हैं।
- अन्तर केवल इतना है कि वृद्धि मात्रात्मक और मूल्य निरपेक्ष है। इसके चिह्न धनात्मक और ऋणात्मक हो सकते हैं।
- विकास का अर्थ गुणात्मक परिवर्तन है जो मूल्य सापेक्ष होता है। इसका अर्थ है –विकास तब तक नहीं हो सकता जब तक वर्तमान दशाओं में वृद्धि न हो।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विकास उस समय होता है जब गुणवत्ता में सकारात्मक परिवर्तन होता है।
- उदाहरणतः किसी निश्चित समयावधि में यदि किसी नगर की जनसंख्या एक लाख से दो लाख हो जाती है तो हम कहते हैं नगर की वृद्धि हुई।
- फिर भी यदि आवास जैसी सुविधाएँ, मूलभूत सेवाओं की व्यवस्था तथा अन्य विशेषताएँ पहले जैसी ही रहती हैं तब इस वृद्धि के साथ विकास नहीं जुड़ा हुआ है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास सूचकांक → जलीपारेख → महबूब-उल-हक (पाक)

मानव विकास की अवधारणा

मानव विकास की अवधारणा का प्रतिपादन डॉ. महबूब-उल-हक के द्वारा किया गया (पाक) था। डॉ. हक ने मानव विकास का वर्णन एक ऐसे विकास के रूप में किया जो लोगों के विकल्पों में वृद्धि करता है और उनके जीवन में सुधार लाता है।

वृद्धि
↓
मात्रात्मक अवधारणा
↓
संकुचित अव.
=
मूल्य निरपेक्ष
- ऋणात्मक
+ धनात्मक

विकास
↓
गुणात्मक अवधारणा
↓
विस्तृत अव.
=
मूल्य सापेक्ष।
=
धनात्मक +

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास - केंद्र बिंदु मानव

- इस अवधारणा में सभी प्रकार के विकास का केंद्र बिंदु मनुष्य है। ये विकल्प स्थिर नहीं हैं बल्कि परिवर्तनशील हैं। विकास का मूल उद्देश्य ऐसी दशाओं को उत्पन्न करना है जिनमें लोग सार्थक जीवन व्यतीत कर सकते हैं।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्या आप जानते हैं



डॉ. महबूब-उल-हक



प्रो. अमर्त्य सेन

- डॉ. महबूब-उल-हक और प्रो. अमर्त्य सेन घनिष्ट मित्र थे और डॉ. हक के नेतृत्व में दोनों ने आरंभिक 'मानव विकास प्रतिवेदन' निकालने के लिए कार्य किया था।
- इन दोनों दक्षिण एशियाई अर्थशास्त्रियों ने विकास के वैकल्पिक विचार का प्रतिपादन किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पाकिस्तानी अर्थशास्त्री डॉ. महबूब-उल-हक ने 1990 ई. में मानव विकास सूचकांक निर्मित किया।
- उनके अनुसार विकास का संबंध लोगों के विकल्पों में बढ़ोतरी से है ताकि वे आत्मसम्मान के साथ दीर्घ और स्वस्थ जीवन जी सकें।



MDR → 1990

डॉ. महबूब उल हक + अमर्त्य सेन

विकास → मानव की सुविधाओं ॥ विकल्पों की वृद्धि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

U.N.D

- 1990 ई. से संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने वार्षिक मानव विकास प्रतिवेदन प्रकाशित करने के लिए इनकी मानव विकास की संकल्पना का प्रयोग किया है।
- नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने विकास का मुख्य ध्येय स्वतंत्रता में वृद्धि (अथवा परतंत्रता में कमी) के रूप में देखा। रुचिकर बात यह है कि स्वतंत्रताओं में वृद्धि भी विकास लाने वाला सर्वाधिक प्रभावशाली माध्यम है।

U N D P
||
1990
→ मानव विकास संकल्पना
||
HDI
||
मानव विकास सूचकांक।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सार्थक जीवन क्या है

सार्थक जीवन केवल दीर्घ नहीं होता। जीवन का कोई उद्देश्य होना भी आवश्यक है। इसका अर्थ है कि लोग स्वस्थ हों, अपने विवेक और बुद्धि का विकास कर सकते हों, वे समाज में प्रतिभागिता करें और अपने उद्देश्यों को पूरा करने में स्वतंत्र हों।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन जीना, ज्ञान प्राप्त कर पाना तथा एक शिष्ट जीवन जीने के पर्याप्त साधनों का होना मानव विकास के सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं।

→ अच्छा जीवन जीने के लिए पर्याप्त साधनों का होना मानव विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास के केन्द्र बिन्दु



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- लोगों के विकल्पों में वृद्धि करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और संसाधनों तक पहुँच में उनकी क्षमताओं का निर्माण करना महत्त्वपूर्ण है। यदि इन क्षेत्रों में लोगों की क्षमता नहीं है तो विकल्प भी सीमित हो जाते हैं।
- उदाहरणत: एक अशिक्षित बच्चा डॉक्टर बनने का विकल्प नहीं चुन सकता क्योंकि उसका विकल्प शिक्षा के अभाव में सीमित हो गया है। इसी प्रकार प्राय: निर्धन लोग बीमारी के लिए चिकित्सा उपचार नहीं चुन सकते क्योंकि संसाधनों के अभाव में उनका विकल्प सीमित हो जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विकास
|
गुणात्मक
=
||
विस्तृत अव.
||
मूल्य सापेक्ष
||
सकारात्मक



वृद्धि
||
मात्रात्मक अवधारणा |
||
संकीर्ण अव.
||
मूल्य निरपेक्ष
||
सकारात्मक | ऋणात्मक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

मानव विकास

केन्द्र

मानव

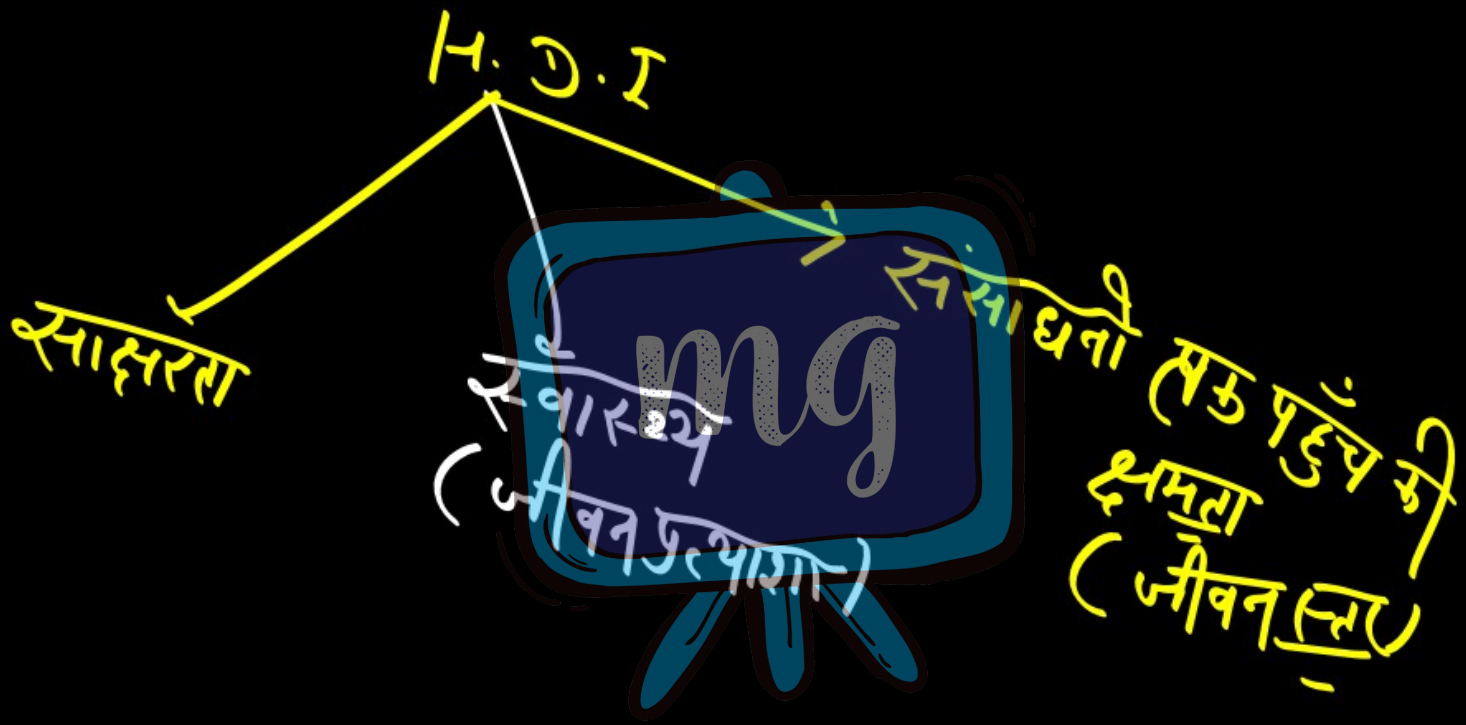
U.N.D.P → 1990 → (महबूब उल हक (पाक.) + अमर्त्य सेन (भारत)

H.D.I

मानव विकास सूचकांक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

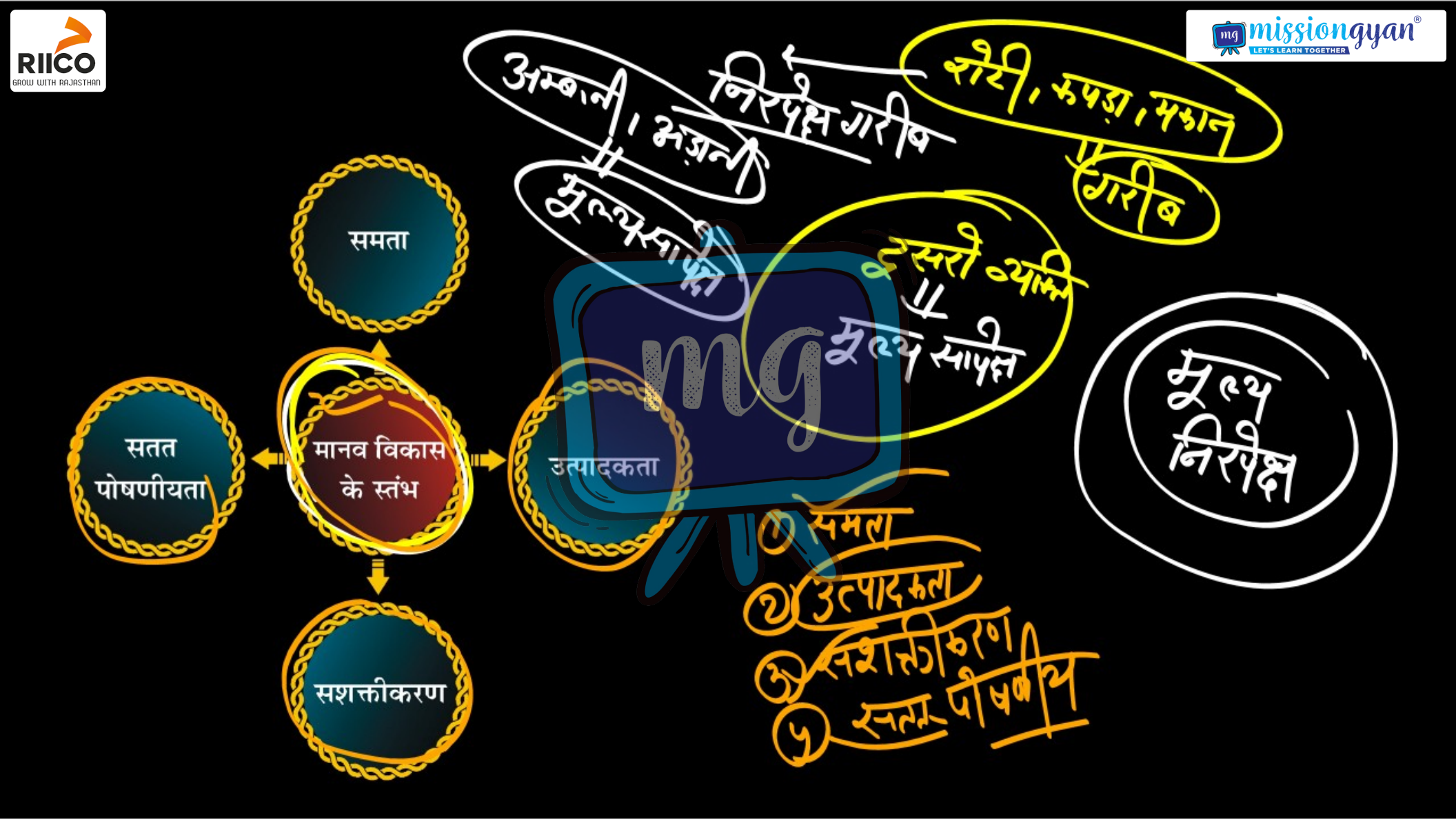
→ मानव विकास क्षमता नहीं है तो विकल्प सिमित हो जाते है।

अशिक्षित बालक → क्षमता → ऑटो, ई-रिक्शा

विकल्प सिमित।

विकल्पों सिमित

गरीब व्यक्ति / आर्थिक कमजोर → बीमार → अच्छे अस्पताल में इलाज नहीं


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
समता
सतत पोषणीयता
मानव विकास के स्तंभ
उत्पादकता
सशक्तीकरण
अम्बानी, अडानी
निरपेक्ष गरीब
मूल्य सापेक्ष
रोटी, कपड़ा, मकान
गरीब
दूसरी व्यक्ति
मूल्य सापेक्ष
मूल्य निरपेक्ष
समता
उत्पादकता
सशक्तीकरण
सतत पोषणीय

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समता

- समता का आशय प्रत्येक व्यक्ति को उपलब्ध अवसरों के लिए समान पहुँच की व्यवस्था करना है। लोगों को उपलब्ध अवसर लिंग, प्रजाति, आय और भारत के संदर्भ में जाति के भेदभाव के विचार के बिना समान होने चाहिए।

- भारत में स्त्रियाँ और सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए वर्गों के व्यक्ति बड़ी संख्या में विद्यालय से विरत होते हैं। इससे पता चलता है कि शिक्षा तक पहुँच न होना किस प्रकार इन वर्गों के विकल्पों को सीमित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सतत पोषणीय

- सतत पोषणीय मानव विकास के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक पीढ़ी को समान अवसर मिले।
- समस्त पर्यावरणीय वित्तीय एवं मानव संसाधनों का उपयोग भविष्य को ध्यान में रख कर करना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इन संसाधनों में से किसी भी एक का दुरुपयोग भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों को कम करेगा।
- अत: प्रत्येक पीढ़ी को अपनी भावी पीढ़ियों के लिए अवसरों और विकल्पों की उपलब्धता को सुनिश्चित करना चाहिए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उत्पादकता

- उत्पादकता का अर्थ मानव श्रम उत्पादकता अथवा मानव कार्य के संदर्भ में उत्पादकता है।
- लोगों में क्षमताओं का निर्माण करके ऐसी उत्पादकता में निरंतर वृद्धि की जानी चाहिए। अंततः जन-समुदाय ही राष्ट्रों के वास्तविक धन होते हैं।
- इस प्रकार उनके ज्ञान को बढ़ाने के प्रयास अथवा उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराने से उनकी कार्यक्षमता बेहतर होगी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सशक्तीकरण

- सशक्तीकरण का अर्थ है-अपने विकल्प चुनने के लिए शक्ति प्राप्त करना। ऐसी शक्ति बढ़ती हुई स्वतंत्रता और क्षमता से आती है। लोगों को सशक्त करने के लिए सुशासन एवं लोकोन्मुखी नीतियों की आवश्यकता होती है। सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए समूहों के सशक्तीकरण का विशेष महत्त्व है।


आय
उपागम
क्षमता
उपागम
मानव
विकास
के उपागम
कल्याण
उपागम
न्यूनतम
आवश्यकता
उपागम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आय उपागम

- यह मानव विकास के सबसे पुराने उपागमों में से एक है। इसमें मानव विकास को आय के साथ जोड़ कर देखा जाता है। विचार यह है कि आय का स्तर किसी व्यक्ति द्वारा भोगी जा रही स्वतंत्रता के स्तर को परिलक्षित करता है। आय का स्तर ऊँचा होने पर, मानव विकास का स्तर भी ऊँचा होगा।

कल्याण उपागम

- यह उपागम मानव को लाभार्थी अथवा सभी विकासात्मक गतिविधियों के लक्ष्य के रूप में देखता है। यह उपागम शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और सुख-साधनों पर उच्चतर सरकारी व्यय का तर्क देता है। लोग विकास में प्रतिभागी नहीं हैं किंतु वे केवल निष्क्रिय प्राप्तकर्ता हैं। सरकार कल्याण पर अधिकतम व्यय करके मानव विकास के स्तरों में वृद्धि करने के लिए जिम्मेदार है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आधारभूत आवश्यकता उपागम

- इस उपागम को मूल रूप से अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने प्रस्तावित किया था। इसमें छः न्यूनतम आवश्यकताओं जैसे- स्वास्थ्य, शिक्षा, भोजन, जलापूर्ति, स्वच्छता और आवास की पहचान की गई थी। इसमें मानव विकल्पों के प्रश्न की उपेक्षा की गई है और पारिभाषित वर्गों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्यवस्था पर जोर दिया गया है।

क्षमता उपागम

- इस उपागम का संबंध प्रो. अमर्त्य सेन से है। संसाधनों तक पहुँच के क्षेत्रों में मानव क्षमताओं का निर्माण बढ़ते मानव विकास की कुंजी है।

